NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2024

HINDI FIRST ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours 80 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 7 pages. Please check that your question paper is complete.
2. Read the instructions to each question carefully.
3. Answer all sections.
4. All answers must be written in the Hindi script.
5. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your answer book.
6. It is in your own interest to write legibly and to present your work neatly.

प्रश्न एक

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

श्रवण कुमार की कहानी

प्राचीन भारतीय महाकाव्य, रामायण में, श्रवण कुमार नामक एक समर्पित पुत्र के बारे में एक मार्मिक कहानी है। श्रवण का जन्म बुजुर्ग माता-पिता से हुआ जो अंधे थे। अपनी विकलांगता के बावजूद, श्रवण उनकी आँखें और उनका सांत्वना था।

श्रवण कुमार अपने माता-पिता के प्रति अटूट भक्ति और समर्पण के लिए जाने जाते थे। वह उन्हें अपने कंधों पर विभिन्न पवित्र स्थलों पर ले जाता था और आसपास के परिवेश का विस्तृत वर्णन करता था ताकि वे उसकी आंखों के माध्यम से दुनिया की सुंदरता का अनुभव कर सकें।

एक दिन, अयोध्या के राजा दशरथ, जो शिकार पर निकले थे, ने पास की नदी से पानी निकाले जाने की आवाज़ सुनी। उसने हिरण समझकर अपना धनुष-बाण उसी दिशा में तान दिया। हालाँकि, उसका तीर हिरण को लगने के बजाय श्रवण कुमार को लगा जो अपने माता-पिता के लिए पानी भर रहा था।

अपनी गलती का एहसास होने पर, राजा दशरथ घटनास्थल पर पहुंचे और श्रवण को मरते हुए पाया। श्रवण ने अपनी मरणासन्न सांस में अपनी एकमात्र इच्छा व्यक्त की - अपने माता-पिता को बताना कि उसके साथ क्या हुआ था। उनकी भक्ति से प्रभावित होकर, दशरथ ने उनकी अंतिम इच्छा पूरी करने का वादा किया।

इसके बाद दशरथ श्रवण के माता-पिता के पास गए और दुखद दुर्घटना का खुलासा किया। इस खबर से दुखी बुजुर्ग दंपत्ति ने दशरथ को अपने प्यारे बेटे से अलग होने का वही दर्द सहने का श्राप दिया।

इस घटना ने दशरथ और उनके परिवार के भाग्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो अंततः रामायण की घटनाओं की ओर ले गई। इस कहानी से यह सीख मिलती है कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है ।

१.१ कहानी का नायक कौन है? (२)

१.२ श्रवण कुमार के अपने माता-पिता के साथ रिश्ते में क्या खास है? (३)

१.३ कौन सी दुखद घटना के कारण राजा दशरथ को श्राप मिला? (३)

१.४ राजा दशरथ ने श्रवण कुमार की अंतिम इच्छा को कैसे पूरा करने का प्रयास किया? (३)

१.५ इस घटना ने रामायण में क्या भूमिका निभाई? (३)

१.६ श्रवण कुमार के चरित्र का वर्णन कीजिये । (६)

१.७ राजा दशरथ को क्या श्राप मिला और इससे उनका जीवन कैसे बदल गया? (४)

१.८ इस पंक्ति को अपने शब्दों में स्पष्ट करें:

"मानव जाति की सेवा ही ईश्वर की सेवा है" (४)

१.९ गद्यांश से समनार्थी शब्द लिखिए:

१.९.१ मानव

१.९.२ बुज़ुर्ग (२)

[३०]

भाग ख

प्रश्न दो

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए:

झाँसी की रानी

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई वास्तविक अर्थ में आदर्श वीरांगना थीं। वे कभी आपत्तियों से नहीं घबराई, कभी कोई प्रलोभन उन्हें अपने कर्तव्य पालन से विमुख नहीं कर सका। अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वह सदैव आत्मविश्वास से भरी रहीं। महारानी लक्ष्मीबाई का जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। इनके पिता का नाम मोरोपंत ताम्बे और माता का नाम भागीरथी बाई था। रानी लक्ष्मीबाई को बचपन में मनुबाई नाम से बुलाया जाता था।

रानी लक्ष्मीबाई का विवाह सन् 1850 में गंगाधर राव से हुआ जोकि सन् 1838 से झांसी के राजा थे। जिस समय लक्ष्मीबाई का विवाह उनसे हुआ तब गंगाधर राव पहले से विधुर थे। सन् 1851 में लक्ष्मीबाई को पुत्र पैदा हुआ लेकिन चार माह बाद ही उसका निधन हो गया। रानी लक्ष्मीबाई के पति को इस बात का गहरा सदमा लगा और 21 नवंबर 1853 को उनका निधन हो गया।

राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंगरेजी सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद शुरु हुआ रानी लक्ष्मीबाई के जीवन में संघर्ष, लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तकपुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंगरेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। लेकिन रानी लक्ष्मीबाई झांसी अग्रेजों की होने देना नहीं चाहती थी, उन्होंने विद्रोह कर दिया।

रानी लक्ष्मीबाई का विवाह सन् 1850 में गंगाधर राव से हुआ जोकि सन् 1838 से झांसी के राजा थे। जिस समय लक्ष्मीबाई का विवाह उनसे हुआ तब गंगाधर राव पहले से विधुर थे। सन् 1851 में लक्ष्मीबाई को पुत्र पैदा हुआ लेकिन चार माह बाद ही उसका निधन हो गया। रानी लक्ष्मीबाई के पति को इस बात का गहरा सदमा लगा और 21 नवंबर 1853 को उनका निधन हो गया।

राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंगरेजी सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद शुरु हुआ रानी लक्ष्मीबाई के जीवन में संघर्ष, लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तकपुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंगरेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। लेकिन रानी लक्ष्मीबाई झांसी अग्रेजों की होने देना नहीं चाहती थी, उन्होंने विद्रोह कर दिया।

[SOURCE: <https://en.m.wikipedia.org> wiki]

[१०]

भाग ग

प्रश्न तीन

निम्नलिखित विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

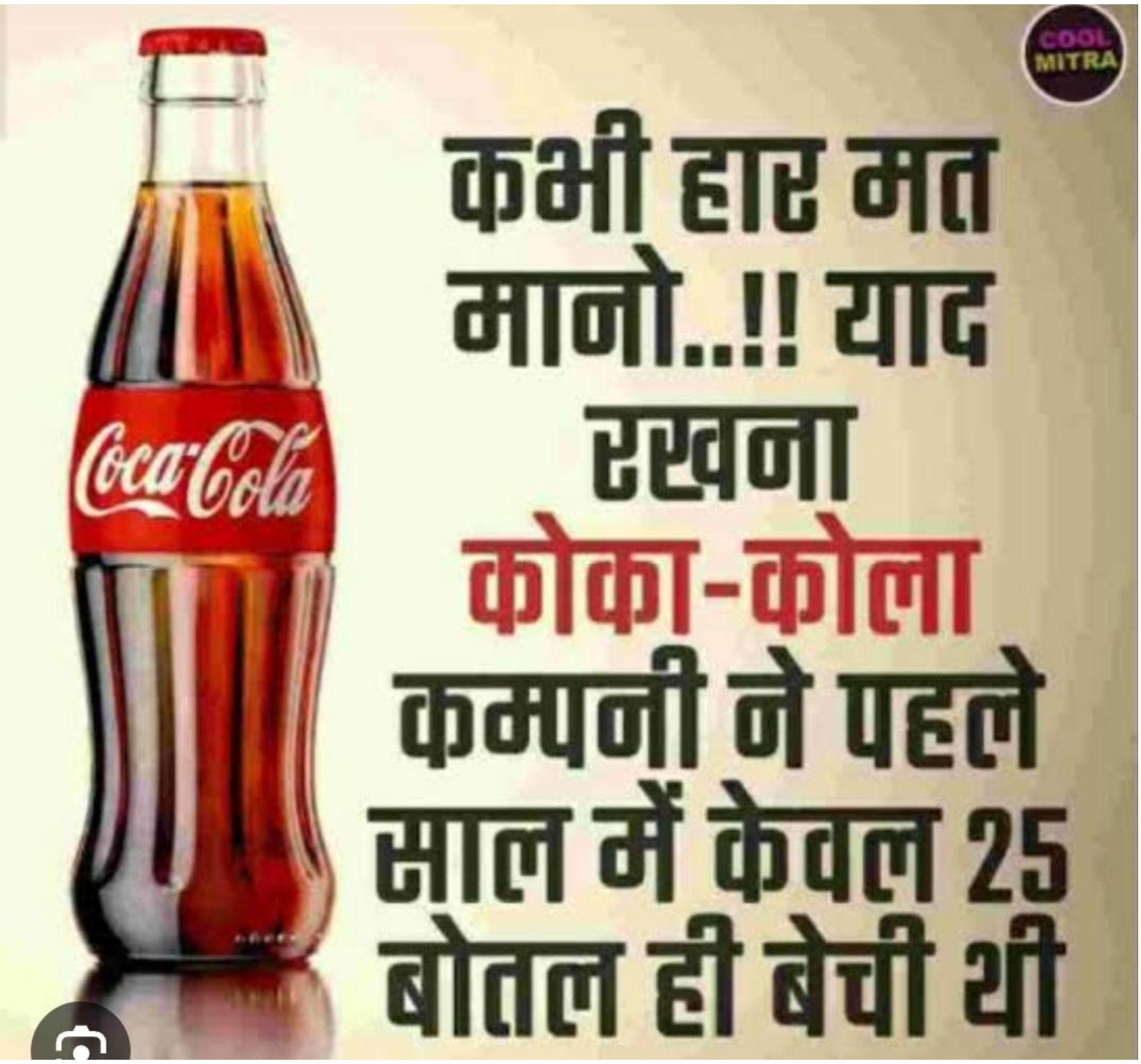

कभी हार मत मानो..!! याद रखना कोका-कोला कम्पनी ने पहले साल में केवल 25 बोतल ही बेची थी

[SOURCE: Pinterest – Pin by Anurag]

३.१ किस उत्पाद का विज्ञापन किया गया है और इस विज्ञापन में किसकी रुचि होगी? (२)

३.२ इस विज्ञापन को बढ़ावा देने के लिए कंपनी किस पद्धति का उपयोग करती है? (३)

३.३ बताएं कि विज्ञापन में इन शब्दों का इस्तेमाल क्यों किया गया है। “ कभी हार मत मानो “ (३)

३.४ इस विज्ञापन में संदेश का विशलेषण करें? (४)

३.५ क्या यह उत्पाद प्रसिद्ध है? प्रमाण देकर अपना उत्तर स्पष्ट करें। (४)

३.६ इस उत्पाद के साथ किस प्रकार का खाना, एक भोजन बनाता है? (२)

३.७ क्या यह एक स्वस्थ उत्पाद है? अपना उत्तर समझाएं। (४)

३.८ कंपनी उपभोक्ता के सामने उत्पाद कैसे पेश करती है? (२)

[२४]

प्रश्न चार

निम्नलिखित चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

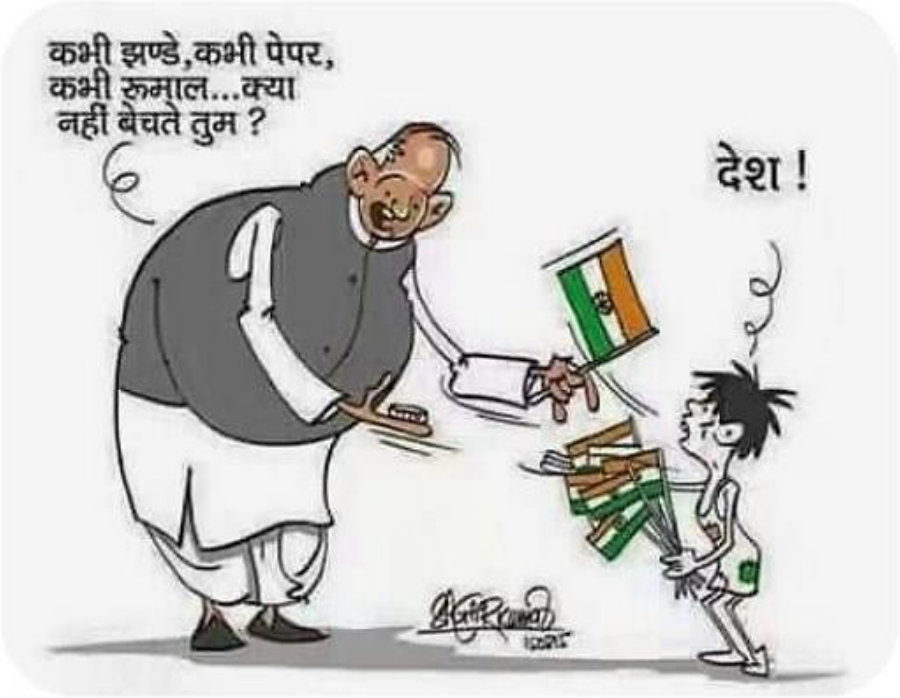
कभी झण्डे, कभी पेपर, कभी रूमाल...क्या नहीं बेचते तुम ?
देश !

[Source: Pinterest -Pin by Atul]

४.१ चित्र में ये लोग कौन हैं? (२)

४.२ लड़का क्या कर रहा है? (२)

४.३ वह आदमी लड़के से क्यों पूछ रहा है कि वह क्या बेचता है और वह हर दिन सामान क्यों बदलता है? (४)

४.४ लड़के के उत्तर के संदर्भ में चित्र का विशलेषण करें। (४)

४.५ वृद्ध व्यक्ति के चरित्र का वर्णन कीजिये । (२)

४.६ लड़के के चरित्र का वर्णन करें । (२)

[१६]

Total: 80 marks